सांध्य दैनिक

4PM

प्रेम का नाता नाजुक होता है। इसे झटका देकर तोड़ना उचित नहीं होता। यदि यह प्रेम का धागा एक बार टूट जाता है तो फिर इसे मिलाना कठिन होता है और यदि मिल भी जाए तो टूटे हुए धागों के बीच में गांठ पड़ जाती है –रहीम दास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 345 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 22 जनवरी, 2026

भारत ने 48 रन से जीता पहला टी20... 7 | तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव... 3 | भाजपा सरकार सनातन धर्म की... 2

आरोप गढ़ने वाले तंत्र की हार

84 दंगों के आरोप से बरी हुए सज्जन

» सिस्टम ने शक बोया समाज ने नफरत काटी और कोर्ट ने पूछा सबूत कहां है?

» 1984 दंगों की राजनीति न्यायिक लड़ाइयों और सार्वजनिक बहस का केंद्र रहे सज्जन कुमार

» प्रणव राय, राहुल गांधी अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव और ममता बनर्जी पर भी लगे गंभीर आरोपों के दाग कोर्ट ने धुले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को गुरुवार को बड़ी कानूनी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने उन्हें उस केस में बरी कर दिया, जिसमें उन पर जनकपुरी और विकासपुरी इलाकों में भीड़ को हिंसा के लिए उकसाने का आरोप था।

विशेष न्यायाधीश दिग्विजय सिंह ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने इससे पहले दिसंबर में सभी पक्षों की सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा था जिसे अब सार्वजनिक किया गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब सज्जन कुमार का नाम दशकों से 1984 दंगों की राजनीति न्यायिक लड़ाइयों और सार्वजनिक बहस का केंद्र रहा है। अदालत ने जिस मामले में उन्हें राहत दी है उसमें अभियोजन पक्ष आरोपों को न्यायिक कसौटी पर साबित करने में सफल नहीं हो सका।

> “आज के इस फैसले ने एक व्यापक बहस को भी फिर से जिंदा कर दिया है कि क्या भारत में कुछ मामलों में आरोपों का सार्वजनिक जीवन पर प्रभाव अदालतों के अंतिम निर्णय से पहले ही तय हो जाता है?”

सुप्रीम कोर्ट जाएंगे पीड़ित

फैसले के बाद पीड़ित परिवारों की पीड़ा एक बार फिर सामने आई। कुछ पीड़ित परिवारों ने उच्च न्यायालय का रुख करने की बात कही है। गौरतलब है कि 1984 का प्रश्न केवल कानूनी नहीं बल्कि गहरे सामाजिक और नैतिक घावों से जुड़ा है। आज के इस फैसले ने एक व्यापक बहस को भी फिर से जिंदा कर दिया है कि क्या भारत में कुछ मामलों में आरोपों का सार्वजनिक जीवन पर प्रभाव अदालतों के अंतिम निर्णय से पहले ही तय हो जाता है? क्या जांच एजेंसियों और मीडिया के जरिये किसी व्यक्ति को लंबे समय तक दोषी की तरह प्रस्तुत किया जाना बाद में अदालत से राहत मिलने के बाद भी उसकी सामाजिक छवि को ठीक कर पाता है?

आरोप और सबूत के बीच की दूरी

पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहां बड़े नामों पर ईडी सीबीआई या अन्य एजेंसियों ने गंभीर आरोप लगाए लंबे समय तक जांच भी चली और मीडिया प्लेटफार्म पर तीखी बहस भी हुई। लेकिन अंततः अदालतों में या तो राहत मिली या आरोप साबित नहीं हो सके। सज्जन कुमार के ताजा फैसले ने इसी सवाल को एक बार फिर केंद्र में ला खड़ा किया है कि आरोप और सबूत के बीच की दूरी लोकतंत्र में कितनी निर्णायक होती है।

प्रणव, राधिका राय और अन्य पर भी आरोप

एनडीटीवी के संस्थापक प्रणव राय और राधिका राय का मामला इसी बहस का एक अहम उदाहरण माना जा सकता है। सीबीआई और ईडी ने वर्षों तक इन लोगों पर बैंक लोन और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े गंभीर आरोप लगाए। इस दौरान मीडिया में लगातार खबरें चलीं और एनडीटीवी को सरकारी एजेंसियों के निशाने पर बताया गया। लेकिन लंबी जांच के बाद सीबीआई ने स्वयं अदालत में यह कहते हुए केस बंद करने की मांग की कि आरोपों को आगे बढ़ाने लायक सबूत नहीं हैं। अदालत ने इस क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किया। कानूनी तौर पर यह साफ संकेत था कि जिन आरोपों ने लंबे समय तक सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित किया वह न्यायिक कसौटी पर टिक नहीं पाए।

सोनम वागचुक व खालिद अभी भी जेल में बंद

उमर खालिद पिछले कई वर्षों से जेल में हैं। दिल्ली दंगों के मामले में यूएपीए जैसे कठोर कानून के तहत आरोप तय किए गए लेकिन मुकदमे की रफ्तार सुस्त है। अभी तक न सज़ा हुई है न दोष सिद्ध फिर भी आजादी नहीं। सवाल यह नहीं कि आरोप लगे या नहीं सवाल यह है कि क्या लंबी कैद अपने आप में सजा नहीं बन जाती? अदालतों ने बार-बार कहा है कि जमानत नियम है जेल अपवाद पर खालिद के मामले में अपवाद ही नियम बनता दिखा। सोनम वांगचुक लद्दाख के पर्यावरणविद्, शिक्षाविद् और शांतिपूर्ण आंदोलनकारी है वह भी जेल में बंद है। उनकी आवाज बार-बार हिरासत प्रतिबंधों और मुकदमों के साये में घिरी है। संविधान के दायरे में बैठकर मांगें रखने वाले व्यक्ति को बार बार रोका जाना यह सवाल खड़ा करता है कि क्या असहमति अब सुरक्षा समस्या बन चुकी है? वांगचुक का अपराध बस इतना है कि उन्होंने विकास, पर्यावरण और लद्दाख के संवैधानिक अधिकारों पर सवाल उठाए। इन दोनों मामलों को जोड़ने वाली डोर साफ़ है राज्य बनाम असहमति। जब तक इन सवालों का जवाब नहीं मिलता तब तक उमर खालिद की जेल और सोनम वांगचुक पर लगा शिकंजा दोनों मिलकर उस सलेक्टिव न्याय की कहानी कहते रहेंगे जिसे सिस्टम सामान्य मान चुका है।

राहुल गांधी और अन्य भी घिरे रहे

राहुल गांधी के खिलाफ भी बीते वर्षों में कई आपराधिक और मानहानि से जुड़े मामले दर्ज हुए। सबसे चर्चित मोदी सरनेम मानहानि मामले में निचली अदालत से सजा के बाद उनकी संसद सदस्यता चली गई लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस सजा पर रोक लगाई और स्पष्ट किया कि दोषसिद्धि पर गंभीर सवाल हैं। कानूनी प्रक्रिया में यह राहत निर्णायक मानी गई। इसी तरह पी. चिदंबरम, कार्ती चिदंबरम, तेजस्वी यादव और अन्य कई नेताओं पर एजेंसियों ने बड़े आरोप लगाए। लंबी पूछताछ, गिरफ़्तारी, मीडिया ट्रायल सब कुछ हुआ। लेकिन इनमें से कई मामलों में या तो जमानत मिली या ट्रायल लंबित है या आरोप अब तक सिद्ध नहीं हो सके। आरोप लगना और आरोप सिद्ध होना दो अलग बातें हैं। अदालतें बार बार यह रेखांकित करती रही हैं कि लोकतंत्र में किसी व्यक्ति की दोषिता का फैसला जांच एजेंसियां या मीडिया नहीं बल्कि न्यायालय करता है।

भाजपा सरकार सनातन धर्म की परंपराओं का उल्लंघन कर रही : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के अपमान पर जताई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला करते हुए उस पर सनातन धर्म की परंपराओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

प्रयागराज प्रशासन द्वारा कथित तौर पर चल रहे माघ मेले के दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोकने के विवाद के बीच, पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और अन्य संत हमारे लिए गर्व का विषय हैं और प्रमुख धार्मिक आयोजनों के दौरान भक्तों का उनसे मिलने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए एकत्रित होना स्वाभाविक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रथा सनातन धर्म का अभिन्न अंग है।अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा, देखिए, शंकराचार्य जी और हमारे सभी संत और ऋषि हमारा गौरव हैं। जब इतना बड़ा आयोजन होता है, तो लोगों का उनसे मिलने और उनका

आशीर्वाद लेने आना स्वाभाविक है। उनके अनुयायी उनसे बहुत मार्गदर्शन और ज्ञान प्राप्त करते हैं – यही सनातन धर्म की परंपरा है। और अगर कोई इस परंपरा को तोड़ रहा है, तो वह भारतीय जनता पार्टी है। उन्होंने कहा, भाजपा को अपने पदाधिकारियों के माध्यम से इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए था। भारतीय जनता पार्टी ने जानबूझकर संतों और ऋषियों का अपमान किया है। संविधान और कानून, जो हमारे देश की पहचान हैं, साथ ही भाईचारा और संस्कृति – जिनका सम्मान और पालन किया जाना चाहिए – भारतीय जनता पार्टी ऐसा करने में विफल रही है। इस बीच, 18 जनवरी को, प्रयागराज के अधिकारियों ने इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बिना पूर्व अनुमति के आए और स्थापित परंपराओं का उल्लंघन किया।

जानबूझकर संतों और ऋषियों का अपमान हो रहा

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा को अपने पदाधिकारियों के माध्यम से इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए था और पार्टी पर जानबूझकर संतों और ऋषियों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे दावा किया कि भाजपा संविधान, कानून के शासन और भाईचारे और संस्कृति के मूल्यों को बनाए रखने में विफल रही है, जो उनके अनुसार देश की पहचान हैं।

सीजेएम के ट्रांसफर पर सुप्रीम कोर्ट खुद संज्ञान ले

सीओ अनुज चौधरी के खिलाफ एफआईआर के आदेश के बाद संभल के सीजेएम विभांशु सुधीर के ट्रांसफर पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा, मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट इस मामले का खुद संज्ञान लेंगे। मुझे विश्वास है कि देश के बुद्धिजीवी और जज खुद इस मुद्दे पर संज्ञान लेंगे। इससे पहले लखनऊ में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मसपा के सभी सांसदों की मीटिंग बुलाई थी। अखिलेश ने अपने सांसदों से आगामी चुनावी रणनीति और संगठन मजबूत करने की चर्चा की। हर संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीटों की स्थिति पर चर्चा हुई। इस दौरान अखिलेश यादव ने अपने सांसदों में कहा था कि यह 37 सांसद 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत दिलाएंगे।

धीरेंद्र शास्त्री नफरत फैलाना चाहते हैं : रविदास मेहरोत्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बयान पर पलटवार किया और कहा कि धीरेंद्र शास्त्री हमेशा ऐसा बयान देते

हैं जिससे नफरत और फैल जाए, वो आरएसएस के प्रवक्ता बन गए हैं और देश में ऐसा माहौल पैदा कर रहे हैं कि हिन्दू मुस्लिम तनाव हो। आपस में लोगों को तोड़ा जाए और सांप्रदायिक सद्भाव खराब किया जाए।

उन्होंने कहा कि कोई भी धार्मिक गुरु इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करता है। वो सभी धर्मों का सम्मान करने का काम करता है. हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। दरअसल, पंडित धीरेंद्र शास्त्री बांदा में एक कार्यक्र म में शामिल हुए थे, इस दौरान उन्होंने हिन्दू राष्ट्र को लेकर बयान देते हुए कहा कि जिस दिन तिरंगे में चांद आ गया उस दिन न शर्मा बचेंगे और न वर्मा। न तुलसीदास वाले बचेंगे, न अगड़ा बचेगा और न पिछड़ा. इसलिए देश में कास्टवाद नहीं राष्ट्रवाद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस काल में वही ताकतवर है और वही बच सकता है जो एकजुट है। मुसलमान में 72 फिरके हैं लेकिन, जब मज़हब पर बात आती है तो वो बस मुसलमान है।

निजीकरण के कारण अब आरक्षण कागजों तक सीमित : राजरत्न

डॉ.आंबेडकर के पोते राज्य सरकारों पर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के प्रपौत्र व भारतीय बौद्ध महासभा के अध्यक्ष राजरत्न आंबेडकर इंदौर में थे। उन्होंने मीडिया से चर्चा की और संविधान से जुड़ी बातों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि संविधान में कहा कि शिक्षा की जिम्मेदारी राज्यों की होगी, लेकिन अब शिक्षा निजी हाथों में है। निजीकरण के कारण आरक्षण अब कागजों तक सीमित है।

देश का संविधान खतरे में है। यह बात हवा में नहीं है। राजरत्न ने कहा कि हमें देश में सच्चा प्रतिनिधि चाहिए। 127 सांसद अनुसूचित जाति, जनजाति के हैं। इतना ही नहीं

अनुसूचित जनजाति की तो राष्ट्रपति भी हैं, लेकिन मैं नहीं मानता कि यह हमारे सच्चे प्रतिनिधि हैं। मणिपुर जल रहा था, तब राष्ट्रपति का मुंह तक नहीं खुला। जनप्रतिनिधि केवल दलित है और मुंह बंद कर बैठा रहे, हमें ऐसा प्रतिनिधित्व नहीं चाहिए। बाबा साहेब की फोटो लेकर जाना है और उनके विचारों के विरोध में काम करना है, यह कहां तक उचित है। राहुल गांधी भी संविधान की किताब हाथ में लेकर चल रहे हैं। हम यह जानना चाहते हैं कि क्या वे बाबा साहेब के संविधान का इस्तेमाल सिर्फ एससी के वोट पाने के लिए कर रहे हैं या सही में दलित समाज का भला चाहते हैं। हम यह आजमाना चाहते हैं कि कांग्रेस के दिल में बदलाव आया है। राजरत्न ने कहा कि कई बार कथित बुद्धिजीवी जो कानून के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनका बयान आता है कि बाबा साहेब ने संविधान ही नहीं तैयार किया या उनका संविधान बनने में महत्वपूर्ण योगदान नहीं था। वे बीएन राव को आगे करते हैं। राव सहित कई लोगों का योगदान संविधान बनाने में रहा है। 25 नवंबर 1949 को संविधान तैयार हुआ तो बीएन राव ने कहा था कि संविधान निर्माण कमेटी के कई लोगों में से कुछ बीमार हो गए या विदेश चले गए, पूरा काम बाबा साहेब पर आ गया।

दुनिया भारत को बेंगलुरु के नजरिए से देख रही है : डीके शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने दावोस में साझा किए विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने वैश्विक निवेशकों के बीच देश के शीर्ष निवेश गंतव्य के रूप में कर्नाटक की वकालत करते हुए कहा कि दुनिया भारत को बेंगलुरु के नजरिए से देखती है शिवकुमार ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान यहां कहा कि दावोस में सीखने के लिए बहुत कुछ है और वह दुनिया भर के विभिन्न नेताओं से मिले हैं, और वह यह महसूस करते हैं कि भारत को बेंगलुरु के माध्यम से देखा जाता है।

उन्होंने कहा, '' दुनिया के नेता यही कहते हैं। और मैं उन्हें कर्नाटक का महत्व बता रहा हूं और यह बता रहा हूं कि यह काम करने के लिए एक बेहतरीन राज्य है। '' यहां पहली बार आए शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक उद्योग जगत के सभी वर्गों के लिए बहुत सारे अवसर प्रदान करता है। शिवकुमार ने कहा कि प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में कई अवसर हैं। उन्होंने कहा, ''वैश्विक निवेशक पूरे राज्य में आवागमन को लेकर हमारे द्वारा किए जा रहे कार्यों पर नजर रख रहे हैं और वे दो-स्तरीय और तीन-स्तरीय शहरों में किए जा रहे कार्यों में भी रुचि रखते हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने कहा, '' बेंगलुरु में हम मेट्रो, फ्लाईओवर, पास, सुरंगों और कई अन्य चीजों पर भारी निवेश कर रहे हैं। सभी का मानना है कि बेंगलुरु बहुत सुरक्षित है, यहां प्रदूषण नहीं है और मौसम और संस्कृति भी शानदार हैं।'' शिवकुमार ने कहा कि वह अमेरिका, यूरोप और सऊदी अरब समेत कई विदेशी नेताओं से भी मुलाकात कर रहे हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सपा को एआईएमआईएम की जरूरत नहीं : शिवपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता व विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी को ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम की जरूरत नहीं है। सपा हमेशा अकेले दम पर सरकार बनाती है। उन्होंने कहा कि सपा 2027 के विधानसभा चुनाव में अकेले दम पर सरकार बनाएगी।

वहीं, जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर उन्होंने कहा, ..वो कभी अपने सिद्धांतों से विचलित नहीं हुए और वो बहुत बड़े सहयोगी बनकर समाजवादी आंदोलन को बहुत आगे तक पहुंचाया...आज हम उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हैं और उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी जनेश्वर मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सांसदों की बैठक और बयानों की गूंज

हाल ही में समाजवादी पार्टी ने 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा के लिए अपने सांसदों की एक अहम बैठक बुलाई थी। इस बैठक के बाद सलेमपुर से सांसद रमाशंकर राजभर के बयान ने सियासी हलचल बढ़ा दी थी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा था कि भाजपा को हराने के लिए जो भी दल साथ आना चाहता है, उसका स्वागत किया जाना चाहिए। हालांकि, रमाशंकर राजभर ने किसी पार्टी का नाम नहीं लिया था, लेकिन उनके बयान को ओवैसी की पार्टी से जोड़कर देखा गया। क्योंकि अब तक समाजवादी पार्टी एआईएमआईएम को वोट काटने वाली पार्टी मानते हुए उससे दूरी बनाए रखती रही है। इसी कारण उनके बयान को गठबंधन की संभावनाओं से जोड़कर देखा गया, लेकिन शिवपाल यादव ने इन सभी अटकलों को खारिज कर दिया।

अखिलेश की पीडीए रणनीति

अखिलेश यादव की अगुवाई में समाजवादी पार्टी पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक फॉर्मूले को और मजबूत करने की तैयारी में है। पार्टी का फोकस इन्हीं सामाजिक समूहों को एकजुट कर भाजपा के खिलाफ मजबूत चुनौती पेश करने पर है। सपा नेतृत्व का मानना है कि अगर पीडीए वर्ग पूरी मजबूती से पार्टी के साथ खड़ा रहा, तो किसी अन्य दल के सहारे की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसी रणनीति के तहत छोटे क्षेत्रीय दलों और सामाजिक संगठनों से संवाद जरूर किया जा रहा है, लेकिन एआईएमआईएम जैसे दलों के साथ औपचारिक गठबंधन से पार्टी फिलहाल दूरी बनाए रखना चाहती है।बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों का असर उत्तर प्रदेश की राजनीति पर भी देखने को मिला है। बिहार में महागठबंधन को मिली हार के बाद विपक्षी दलों में आत्ममंथन का दौर शुरू हुआ। इसका असर समाजवादी पार्टी की रणनीति पर भी पड़ा। सपा नेतृत्व अब हर पहलू पर गंभीरता से विचार कर रहा है ताकि 2027 के चुनाव में कोई चूक न हो। बिहार में तेजस्वी यादव की हार को विपक्ष के लिए एक सबक के तौर पर देखा जा रहा है।

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव 26 पर सबकी नजर

शिवकुमार व टीवीके प्रमुख के बोल पर बवाल

दक्षिण में नेताओं के बयान से बढ़ी सियासी सरगर्मी

- डीएमके व एआईडीएमके भी तैयार
- भाजपा अपना कुनबा बढ़ाने में जुटी
- कर्नाटक में सीएम के मुद्दे पर फिर रस्साकसी
- एआईडीएमके ने एक्टर विजय पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिण भारत में सियासी सरगर्मी बढ़ती जा रही है। खासकर कर्नाटक व तमिलनाडु आजकल चर्चा में है। कर्नाटक में सीएम बदलने को लेकर बार-बार माहौल गरमाता है फिर कांग्रेस आलाकमान दखल के बाद शांत हो जाता है। वहीं तमिलनाडु में 2026 में विस चुनाव हैं। वहां सियासी पार्टियां तैयारी में जुटीं हैं। पर सुर्खियों अभिनेता विजय की राजनीतिक पार्टी है। समय-समय पर डीमके व एआईडीएमके उनपर प्रहार करने को मौका नहीं छोड़ती हैं। उधर भाजपा अपना कुनबा बढ़ाने में जुटी है। उसने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 से पहले, टीटीवी दिनाकरण की पार्टी एएमएमके ने एनडीए गठबंधन में वापसी करवाई है, जिसका लक्ष्य सत्तारूढ़ डीएमके को चुनौती देने के लिए एक संयुक्त मोर्चा बनाना है।

यह कदम एआईएडीएमके नेता ई पलानीस्वामी के साथ पिछले मतभेदों को भुलाकर भाजपा के नेतृत्व में गठबंधन को मजबूत करने की एक रणनीतिक पहल है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष समय-समय पर गहराता जा रहा है। कांग्रेस के आधे कार्यकाल के बाद शिवकुमार ने सत्ता स्थायी नहीं होती का संदेश देकर अप्रत्यक्ष रूप से सिद्धारमैया पर कटाक्ष किया है, जो 2023 के कथित सत्ता-साझाकरण समझौते की अटकलों को फिर से हवा दे रहा है और कर्नाटक की राजनीतिक खींचतान को उजागर करता है। वहीं एआईएडीएमके नेता सेल्लूर राजू ने टीवीके प्रमुख विजय पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि विजय का हाल कमल हासन जैसा न हो, जिन्होंने एक सीट के लिए डीएमके से गठबंधन किया था। राजू ने विजय की जनसभाओं में भीड़ को उनके अभिनय स्टारडम का परिणाम बताया, यह रेखांकित करते हुए कि विजय राजनीति में नए हैं और उन्होंने जनता के लिए कुछ खास नहीं किया है, जबकि आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में एआईएडीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन ही विजयी होगा।

सिद्धारमैया अपने पक्ष पर कायम

सिद्धारमैया ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में अपना पूरा कार्यकाल जारी रखेंगे। ऐसी खबरें हैं कि सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री का कार्यकाल बराबर-बराबर बांटने का समझौता हो सकता है। हालांकि पार्टी या नेताओं में से किसी ने भी इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन शिवकुमार ने हाल ही में बिना कोई विवरण दिए एक गुप्त समझौते की ओर इशारा किया है। हालांकि, शिवकुमार ने मतभेद की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि कांग्रेस उच्च कमान द्वारा दी गई स्वतंत्रता के तहत वर्तमान प्रशासन एक एकजुट टीम के रूप में कार्य कर रहा है। जब उनसे सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या वे पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा रखते हैं, तो शिवकुमार ने कहा कि वे खुद को मुख्य रूप से एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में देखते हैं, न कि केवल सत्ता और पद की चाह रखने वाले व्यक्ति के रूप में। दोनों नेताओं ने उच्च कमान से संभावित सत्ता परिवर्तन को लेकर जारी भ्रम को समाप्त करने का आग्रह किया था, और शेष कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री कौन होगा, इस अनिश्चितता से हो रहे नुकसान का हवाला दिया था।

अतीत को भुलाकर हम अम्मा की सरकार को वापस लाना चाहते : दिनाकरन

अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) के प्रमुख और पूर्व सांसद और पूर्व विधायक टीटीवी दिनाकरन तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले एनडीए गठबंधन में फिर से शामिल हो गए हैं। यह अन्नाद्रमुक नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ई पलानीस्वामी के अहंकार का हवाला देते हुए गठबंधन से बाहर निकलने के महीनों बाद आया है। टीटीवी दिनाकरन ने कहा कि एनडीए गठबंधन में वापस आकर हम बहुत खुश हैं। अतीत को भुलाकर हम अम्मा की सरकार को वापस लाना चाहते थे। इस सरकार को रोकने के लिए हम अम्मा की सरकार बनाएंगे। आप सभी जानते हैं कि एनडीए का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है... एएमएमएमके और तमिलनाडु के कल्याण के लिए हमने सभी विश्वासघातों को भुला दिया है।

चुनाव में देखने को मिलेगा त्रिकोणीय मुकाबला

अभिनेता से राजनेता बने विजय ने अपनी पार्टी, तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) लॉन्च की है और शीर्ष स्थान पर नजर रखे हुए हैं, जिसके बाद चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव 2026 के पहले छमाही में होने हैं और राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो रही हैं क्योंकि पार्टियां अपनी चुनावी रणनीतियों और घोषणापत्रों को जारी कर रही हैं।

टीवीके प्रमुख विजय का हाल खराब न हो जाए : सेल्लूर राजू

तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईडीएमके) के वरिष्ठ नेता सेल्लूर राजू ने तमिलगा वेट्री कजगम के अभिनेता विजय पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि विजय का हाल कमल हासन जैसा न हो, जिन्होंने सिर्फ एक सीट के लिए सत्ताधारी DMK के साथ गठबंधन किया था। राजू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, कई अभिनेताओं ने राजनीतिक दल बनाए हैं। कमल हासन ने भी भ्रष्टाचार से लड़ने का दावा करते हुए एक पार्टी शुरू की थी, लेकिन आज उन्होंने एक सीट के लिए डीएमके के साथ गठबंधन कर लिया है। मुझे उम्मीद है कि विजय का हाल भी ऐसा न हो। विजय के इस बयान पर कि विधानसभा चुनाव का मुकाबला सिर्फ उनकी पार्टी और डीएमके के बीच है, एआईडीएमके नेता ने जवाब देते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर उनकी उपस्थिति का फैसला सिर्फ जनता ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि विजय की रैली में भीड़ का इकट्ठा होना स्वाभाविक है क्योंकि वह एक पेशेवर अभिनेता हैं, जिसका अर्थ यह है कि अगर अभिनेता लगातार तीन बार लोगों से मिलने आते हैं तो भीड़ कम हो सकती है।

सत्ता में कोई परमानेंट नहीं रहता : शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक दल स्थायी रूप से सत्ता में नहीं रहता। यह टिप्पणी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर एक अप्रत्यक्ष कटाक्ष थी, जो दोनों नेताओं के बीच चल रही नेतृत्व की खींचतान के बीच सामने आई। केपीसीसी कार्यालय स्थित भारत जोड़ो भवन में कांग्रेस स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए शिवकुमार ने कहा कि इतिहास गवाह है कि अंततः सबसे शक्तिशाली भी पतन की ओर अग्रसर होते हैं। उन्होंने कहा, सम्राट भी गुमनामी में खो गए हैं। विश्व को जीतने वाला सिकंदर महान अब नहीं रहा। सद्दाम हुसैन को सुरंग में छिपना पड़ा था। भाजपा समेत अन्य लोगों के साथ भी ऐसा ही होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 को करेंगे जनसभा

इस बीच, तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले के मदुरंथकम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 जनवरी को एक जनसभा करेंगे। भाजपा राज्य विधानसभा चुनावों से पहले अपनी तैयारियों को तेज कर रही है। यह जनसभा विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एआईएडीएमके) का आह्वान होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष संबोधन देंगे और एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी, जीके वासन, जॉन पांडियन और गठबंधन दलों के अन्य नेता भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। तमिलनाडु में एआईएडीएमके और भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए, सत्तारूढ़ डीएमके-कांग्रेस गठबंधन को हराने का प्रयास करेगा।

सब जनता पर निर्भर करता है

राजू ने कहा कि हम वास्तव में मैदान में हैं या नहीं, यह जनता खुद तय करेगी। आगामी चुनाव में एआईएडीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन विजयी होगा। मुझे विजय की हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं लगता, जो कल ही राजनीति में आए हैं। अगर वह कॉमेडियन वदिवेलु को साथ लेकर भी जनसभा करते हैं, तो अकेले विजय की सभा से कहीं ज्यादा भीड़ जमा होगी। अगर वह अभिनेत्री नयनतारा को भी प्रचार में लाते हैं, तो भी लोग बड़ी संख्या में आएंगे। जब कोई अभिनेता बोलता है, तो स्वाभाविक रूप से भीड़ जमा हो जाती है। अभिनेता विजय के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। उन्होंने आगे कहा कि दो दिन पहले मलेशिया में आयोजित एक ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम में, अभिनेता विजय ने अपने प्रशंसकों से पूछा कि क्या उन्हें सिनेमा में काम करना जारी रखना चाहिए या नहीं। प्रशंसकों ने जवाब दिया कि उन्हें काम करते रहना चाहिए, और विजय ने कथित तौर पर कहा, देखते हैं। लोग शायद विजय को देखने के लिए ही इकट्ठा हों। लेकिन अगर विजय लगातार तीन बार लोगों से मिलने आते हैं, तो हम देखेंगे कि वास्तव में कितनी भीड़ जुटती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा टीवीके के साथ गठबंधन करने की अटकलों पर, एआईएडीएमके ने कहा कि यह उनका अपना निर्णय है। हालांकि, सावधानी बरतते हुए राजू ने कहा कि विजय ने न तो चुनाव लड़ा है और न ही जनता के लिए कुछ किया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्राकृतिक आपदाओं से पिछड़ रहा है भारत

आपदाओं का आना एक प्राकृतिक त्रासदी है। पर कहीं न कहीं इसके लिए हम ही जिम्मेदार हैं। जिस तरह से हम विकास के नाम पर पहाड़, जंगल, जमीन, समुद्र को नुकसान पहुंचा रहें हैं। प्रकृति उसका हिसाब तो करेगी ही। जब वह नाराजगी दिखाएगी तो भूकंप, भूस्खलन, बाढ़ जैसी आपदाएं आएंगी और वह विपदा में बदल जाएंगी।

भारत प्राकृतिक आपदाओं से सर्वाधिक आर्थिक नुकसान झेलने वाले दुनिया के शीर्ष देशों में से एक है। यहां हर मौसम में कोई न कोई आपदा आती रहती है। आपदाओं का आना एक प्राकृ तिक त्रासदी है। पर कहीं न कहीं इसके लिए हम ही जिम्मेदार हैं। जिस तरह से हम विकास के नाम पर पहाड़, जंगल, जमीन, समुद्र को नुकसान पहुंचा रहें हैं। प्रकृ ति उसका हिसाब तो करेगी ही। जब वह नाराजगी दिखाएगी तो भूकंप, भूस्खलन, बाढ़ जैसी आपदाएं आएंगी और वह विपदा में बदल जाएंगी। अभी हाल में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय आपदा जोखिम न्यूनीकरण की रिपोर्टों के अनुसार संयुक्त राष्ट्र और अन्य रिपोर्टों के अनुसार भारत को चरम मौसम की घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं के कारण हर साल भारी आर्थिक नुकसान होता है, लेकिन यह आंकड़ा 7 अरब डॉलर से काफी अधिक है, जो हाल के वर्षों में बढ़कर 8.7 अरब डॉलर (2021 की रिपोर्ट के अनुसार) या इससे भी अधिक (जैसे 2023 में 12 अरब डॉलर) हो गया है, क्योंकि बाढ़, तूफान और सूखे जैसी आपदाएं बढ़ रही हैं।

इन आंकड़ों को देखकर समझा जा सकता है कि सरकारों व समाज दोनों को मिलकर इस कठिन काम का हल निकालना होगा। इसके अलावा वायु प्रदूषण , जल प्रदूषण जैसी दुर्व्यव्यवथा से भी बचने के प्रयास करने होंगे। आर्थिक नुकसान देखें तो 2003-2012 के दशक के 3.8 अरब डॉलर के औसत से बढ़कर 2013-2022 के दशक में यह औसत 8 अरब डॉलर प्रति वर्ष हो गया है, जो 125 प्रतिशत की वृद्धि है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में भारत को जलवायु-संबंधी खतरों से 87 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। उत्तर-पश्चिम भारत में, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बड़ी संख्या में बदल फटने, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड जैसी आपदाओं ने भयंकर कोहराम मचाया। बीते साल 1901 के बाद पिछले 124 साल में से तीसरी सबसे अधिक रिकॉर्ड की गयी। अंतरराष्ट्रीय बीमा कंपनी स्विस रे की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013-2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार ये बड़े नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। इस विश्लेषण में पाया गया कि भारत में पिछले दो दशकों में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल वार्षिक नुकसान का लगभग 63 फीसदी हिस्सा बाढ़ से जुड़ा हुआ है। इसका कारण भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

न अस्पताल मंदिर रहे, न डॉक्टर ही भगवान

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों एक बड़े चैनल की साइट पर भारत की संसदीय कमेटी की रिपोर्ट के बारे में पढ़ा। इसमें शोध करके बताया गया था कि भारत में चवालीस प्रतिशत ऑपरेशन अनावश्यक होते हैं। इसके अनुसार कैंसर के सैंतालीस प्रतिशत, पचपन प्रतिशत दिल, अड़तालीस प्रतिशत गर्भाशय, अड़तालीस प्रतिशत घुटना प्रत्यारोपण, पैंतालीस प्रतिशत सिजेरियन, कंधे का प्रत्यारोपण और रीढ़ की हड्डी के आपरेशन बिना किसी जरूरत के किए जाते हैं। अफसोस की बात यह है कि जो मीडिया बहुत मामूली बातों पर इतना हाहाकार मचाता है, नफरत के बीज भी बोता है, किसी एक दुर्घटना पर आंसू बहाता है, वहां इस रिपोर्ट की कोई चर्चा नहीं देखी गई। जबकि यह इस देश की समूची जनसंख्या के हितों से जुड़ी थी।

आखिर हारी-बीमारी तो हर मनुष्य के जीवन में आती है। पहले कहा जाता था कि अगर आपका अपना डाक्टर किसी रोग को ठीक नहीं कर पाता, तो अस्पताल चलो। वहां रोग का सही निदान किया जा सकता है। लेकिन उन अस्पतालों को क्या कहा जाए, जो मरीज की बेबसी का फायदा उठाते हैं। बहुत से डाक्टर यदि अस्पतालों की इस मुनाफाखोरी में शामिल नहीं होते, तो उन्हें हटा दिया जाता है। कुछ साल पहले गाजियाबाद में डाक्टर ने एक मरीज से कह दिया कि उसे कोई गम्भीर बीमारी नहीं है। अस्पताल प्रबंधन ने डाक्टर को हटा दिया। जब से अस्पतालों में मार्केटिंग का प्रवेश हुआ है, तो डाक्टरों को दिए गए टारगेट्स को पूरा करना पड़ता है। इसमें अधिक से अधिक मरीजों को लाना, जिन टेस्ट्स की जरूरत नहीं, उन्हें लिखना, मरीज की मृत्यु के बाद भी इलाज के नाम पर उसे भर्ती किए रहना, आदि बातें शामिल हैं। बीमा कम्पनियां इस बात की शिकायत भी कर चुकी हैं कि जब तक मेडिक्लेम का पूरा पैसा अस्पताल नहीं वसूल लेते, वे मरीज को लटकाए रखते हैं। कुछ सालों में गुड़गांव से दो खबरें आ चुकी हैं। ये किसी मीडिया में न आकर फेसबुक पर देखी गई थीं।

एक रिपोर्ट में कहा गया था कि एक लड़की बुखार के कारण अपने पति को अस्पताल ले गई । डाक्टर रात भर उसके टेस्ट्स करवाते रहे और अगले दिन दस लाख रुपए का बिल थमा दिया गया। इसी तरह गुड़गांव के एक बहुत मशहूर अस्पताल के बारे में एक व्यक्ति ने लिखा कि वह दिल के इलाज के लिए दाखिल हुआ। उसे बताया गया कि

उसके दो वॉल्व बदलने पड़ेंगे। पैसे जमा करवा दें। लेकिन तभी उसे बुखार आ गया। बुखार में ऑपरेशन नहीं किया जा सकता। चूंकि कमरे का किराया बहुत ज्यादा था, तो मरीज एक होटल में चला गया। वहां उसका एक मित्र आया। मरीज ने उसे बताया कि पहले वह जहां इलाज करा रहा था, वहां तो बताया था कि उसका एक ही वॉल्व खराब है, जबकि यहां दो वाल्व बदलने पड़ेंगे। मित्र उसे एक दूसरे अस्पताल में ले गया। वहां कहा गया कि उसका एक ही वॉल्व बदलना पड़ेगा। जब मरीज ने आकर इस मशहूर अस्पताल के डाक्टर को बताया तो उसने सिर पर हाथ मारते हुए मालिक जो खुद भी बहुत मशहूर डॉक्टर हैं, उनके बारे में कहा कि मैंने उससे मना किया था, मगर वह नहीं माना। ऐसा ही एक किस्सा लखनऊ के एक अस्पताल बारे में बताया गया। यहां एक मरीज गैस की समस्या के कारण भर्ती हुआ। उससे कहा गया कि दिल का ऑपरेशन करना पड़ेगा। आठ लाख रुपए जमा कराए। मरीज वहां से जाने लगा, तो उसके साथ अभद्रता भी की गई। खैर, वहां से वह एक दूसरी जगह पहुंचा और दो सौ रुपये की दवा में ठीक हो गया। यहां तक कि बहुत से डाक्टर वे दवाएं लिखते हैं, जो बहुत महंगी होती हैं। वे या तो उसी अस्पताल में मिलती हैं या किन्हीं खास दुकानों पर। मरीज को इसमें भी लूट का सामना करना पड़ता है। महाराष्ट्र के अस्पतालों के एक सर्वे में पाया गया था कि बड़े अस्पतालों में डॉक्टरों का वेतन करोड़ों रुपये होता है। इसका कारण भी यही होता है कि जो डॉक्टर अधिक से अधिक मरीजों को भर्ती करते हैं, बिना जरूरत टेस्ट और ऑपरेशन करवाते हैं, उनका वेतन बढ़ता जाता है। मृत मरीजों को वेंटिलेटर पर दिखाकर, उसके परिजनों से खूब पैसा वसूला जाता है। एक मृत बच्चे को एक माह तक वेंटिलेटर पर रखा गया था। बाद में शिकायत करने पर अस्पताल ने उसके परिजनों को पांच लाख रुपये वापस किए थे।

कई बार मृत मरीजों पर ऑपरेशन का नाटक करके पैसे वसूले जाते हैं और कह दिया जाता है कि ऑपरेशन के दौरान मरीज की मृत्यु हो गई। बहुत सी इंश्योरेंस कम्पनियां भी भारी घोटाले की दोषी पाई गईं। अड़सठ प्रतिशत लोगों के पास बीमा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर कम्पनियां कोई न कोई बहाना करके पैसे देने से इनकार कर देती हैं। कई बार अस्पतालों की मिलीभगत से अंगों को निकालने और लगाने के रैकेट्स भी पकड़े गए हैं। यही नहीं, मुम्बई के एक बहुत बड़े अस्पताल के बाहर डाक्टरों के लिए रेट लिस्ट लगी हुई है कि जो डॉक्टर जितने अधिक मरीज लाएगा, उसे कितना कमीशन दिया जाएगा।

बर्फबारी बारिश न होने से फसलों व पेयजल का संकट

पंकज चतुर्वेदी

पिछले दो माह से अधिक समय से कश्मीर, उत्तराखंड, दिल्ली और अन्य मैदानी इलाकों में एक बार भी बारिश नहीं हुई है। सूखा और ठंडी हवा ने जनजीवन, कृषि और पर्यावरण पर गहरा प्रभाव डाला है, जिसका असर भविष्य में और भी अधिक देखने को मिल सकता है। चिंताजनक बात यह है कि गर्मी के दिन आ रहे हैं और तापमान बढ़ने के साथ-साथ, भारत सहित कई देशों की जीवन रेखा माने जाने वाले हिमालय के पहाड़ बर्फ के बिना भूरे नजर आ रहे हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में इस साल 'स्नो ड्राउट' की स्थिति बन गई है। 2025-26 की सर्दियों में इन क्षेत्रों में बर्फबारी सामान्य से 45 से 75 प्रतिशत तक कम रही, खासकर नवंबर-दिसंबर के दौरान। उत्तराखंड में दिसंबर, 2025 में 100 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज की गई और जनवरी, 2026 तक ऊंचे इलाकों में बर्फ नहीं जमी। बढ़ते तापमान, कमजोर पश्चिमी विक्षोभ और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण बर्फ तेजी से पिघल रही है।

पिछले पांच वर्षों में बर्फबारी में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। कश्मीर का 'चिल्लई कलां' इस बार वीरान है। दिसंबर और जनवरी के मध्य तक कश्मीर घाटी में बर्फबारी में 75 से 80 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटन स्थलों में केवल सूखी घास और नग्न पहाड़ दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति केवल पर्यटन को आर्थिक चोट नहीं पहुंचा रही, बल्कि ग्लेशियरों के पुनर्भरण की प्रक्रिया को भी बाधित कर रही है। यदि बर्फबारी का यह अकाल जारी रहा, तो गर्मियों में झेलम और सिंधु जैसी नदियों का जलस्तर रिकॉर्ड स्तर तक गिर सकता है, जिससे न केवल पीने के पानी का संकट पैदा होगा बल्कि जलविद्युत परियोजनाओं पर भी ताला लग सकता है। उत्तराखंड में राज्य के अधिकांश जिलों में सूखे की स्थिति है। हिमाचल प्रदेश में भी सामान्य से 97 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई। बारिश न होना रबी की फसलों खासकर गेहूं के लिए बुरा है।

असल में सर्दियों की बारिश केवल पानी की जरूरत पूरी नहीं करती, बल्कि खेतों के लिए खाद का काम करती है, जिससे पौधों को नाइट्रोजन, फास्फोरस और दूसरे पोषक तत्व कुदरती रूप से मिलते हैं। उधर अक्तूबर-नवंबर के गर्म रहने से आलू का अंकुरण कम हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्नो की मिठास नवंबर की गर्मी ने सोख ली। गन्ने में सुक्रोज बनने के लिए ठंड आवश्यक है लेकिन अभी तक गन्ने में पानी की मात्रा अधिक है। इसलिए गुड़ बन ही नहीं पा रहा था। एक महीने देरी से गुड़ बनना शुरू हुआ है। रबी की फसल बिगड़ने का असर सारे देश की अर्थव्यवस्था और भोजन व्यवस्था पर पड़ना तय है। ऊंचे पहाड़ों पर खेतों में बर्फ का आवरण आमतौर पर एक इन्सुलेशन कंबल के रूप में कार्य करता है। बर्फ की परत से उनकी फसलों की रक्षा होती है, कंद-मूल जैसे उत्पादों की वृद्धि होती है, पाले का प्रकोप नहीं हो पाता। साथ ही बर्फ से मिट्टी का कटाव भी रुकता है।

पूरे हिमालय क्षेत्र में कम बर्फबारी और अनियमित बारिश से क्षेत्र में पानी और कृषि वानिकी सहित प्रतिकूल पारिस्थितिक प्रभाव पड़ने की संभावना है। अगर तापमान जल्दी ही बढ़ जाता है तो देर से होने वाली बर्फबारी और भी अधिक त्रासदीदायक होगी। इससे हिमनद झील के फटने से होने वाली बाढ़ अचानक आ सकती है। गर्मी से यदि ग्लेशियर अधिक पिघले तो आने वाले दिनों में पहाड़ी राज्यों में स्थापित सैकड़ों मेगावाट की जल विद्युत परियोजनाओं पर भी संकट आ सकता है। यह भी कड़वा सच है कि पहाड़ों के मिजाज को बिगाड़ने में इन जल विद्युत परियोजनाओं की भूमिका भी है। पहाड़ों पर बर्फ का असर पंजाब की नदियों पर गहराई से होता है। उत्तराखंड के पौड़ी जिले में भले ही तीव्र ठंड हो, लेकिन बीते चार महीनों से बर्फबारी और बारिश न होने के कारण यहां के पर्यावरण पर अलग किस्म का खतरा मंडरा रहा है। लगातार सूखे से जमीन की नमी समाप्त हो गई है। यदि हालात नहीं सुधरे तो यहां जंगलों में आग का खतरा बढ़ जाएगा। बारिश और बर्फबारी की कमी का असर केवल कृषि तक सीमित नहीं है। यह पूरे पर्यावरण को प्रभावित कर रहा है। हिमालयी ग्लेशियरों को पर्याप्त बर्फबारी नहीं मिलने से वे तेजी से पिघल रहे हैं।

इससे नदियों और जल स्रोतों का जलस्तर घट रहा है, जिससे पेयजल और सिंचाई के लिए संकट खड़ा हो रहा है। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले पहाड़ों पर बरसात और बर्फ न गिरने से जमीन का सूखना वहां के वन्य जीवों के लिए बड़ा खतरा है। हरियाली पर जीने वाले जानवर बस्ती की तरफ आ रहे हैं। दुखद है कि नीति-नियंता धरती के इस तरह हो रहे नुकसान को जलवायु परिवर्तन के वैश्विक असर या फिर पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर होने की बात कर जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ते हैं। जबकि अत्यधिक पर्यटन, पक्के निर्माण, पहाड़ों पर तोड़फोड़, हरियाली कवच का कम होना जैसे मानवजनित कारण हैं जिन्होंने हिमालय पहाड़ की गोद में बसे लोगों को समय से पहले संकट में डाल दिया है। हिमालय के पहाड़ देश के लिए महज मनोरंजन या पर्यटन के लिए नहीं हैं, ये देश की जल-प्रदाय स्रोत हैं। जल किसी कारखाने में बनाया नहीं जा सकता। आज जरूरत है कि हिमालय राज्यों के लिए जलवायु अपरिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि से निपटने को स्थानीय स्तर पर त्वरित और दूरगामी कार्य योजना बनाई जाए, जिसमें स्थानीय लोगों की सहभागिता और पारंपरिक ज्ञान को भी स्थान मिले।

इन 5 फलों और सब्जियों का बनाएं स्वादिष्ट मुरब्बा

मुरब्बा भारतीय घरों में सर्दियों में खासतौर पर बनाया जाता है। जब भी मुरब्बे का जिक्र आता है तो आंवले का मुरब्बा सबसे खास माना जाता है। आंवला मुरब्बा तो सभी के पसंदीदा होता हैं, क्योंकि ये न केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि सेहत के लिए भी अत्यंत फायदेमंद है लेकिन आंवले के अलावा भी कई फल और सब्जियां हैं जिनसे स्वादिष्ट मुरब्बा तैयार किया जा सकता है? इन मुरब्बों का स्वाद भी बेहद खास होता है और ये सेहत के लिए भी लाभदायक होते हैं। तो आप इन फलों और सब्जियों से स्वादिष्ट मुरब्बा बना सकते हैं। ताकि आप सिर्फ आंवले के मुरब्बे खाकर बोर न हो जाएं।

संतरा का मुरब्बा

संतरे का मुरब्बा ताजगी से भरपूर होता है और इसमें विटामिन सी की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। विटामिन सी का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जिससे शरीर संक्रमण से लड़ने में सक्षम होता है। संतरा मुरब्बा बनाने में आसानी होती है और यह एक शानदार डेजर्ट बन जाता है, जिसे न केवल स्वाद के लिए खाया जाता है, बल्कि इसके स्वास्थ्य लाभ भी बहुत होते हैं। यह मुरब्बा विटामिन सी के साथ-साथ एंटीऑक्सीडेंट्स भी प्रदान करता है, जो त्वचा को निखारने और दाग-धब्बों को कम करने में मदद करता है।

अमरूद का मुरब्बा

अमरूद का मुरब्बा विटामिन सी और फाइबर से भरपूर होता है, जो शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। अमरूद में पाया जाने वाला विटामिन सी शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है और साथ ही यह त्वचा के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसके अलावा, अमरूद का मुरब्बा डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करता है। अमरूद का मुरब्बा बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता, और यह एक बेहतरीन हेल्दी डेजर्ट विकल्प है, जो विशेष रूप से सर्दियों में बनाने के लिए आदर्श है।

प्याज का मुरब्बा

प्याज का मुरब्बा एक अनोखा और दिलचस्प स्वाद प्रदान करता है, जिसमें तीखा और मीठा स्वाद एक साथ होता है। ये पाचन तंत्र को बेहतर बनाने के साथ-साथ शरीर में रक्त की कमी को भी पूरा करता है। प्याज में एंटीऑक्सीडेंट्स और सल्फर की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। प्याज मुरब्बा विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो सर्दियों में कब्ज या पाचन संबंधित समस्याओं से परेशान रहते हैं। इसे खाने से शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं, और यह शरीर की सेहत को भी सुधारता है।

गाजर का मुरब्बा

गाजर का मुरब्बा विशेष रूप से सर्दियों में बनता है, और ये न केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। गाजर में बीटा-कैरोटीन की भरपूर मात्रा होती है, जो आंखों की सेहत को सुधारने में मदद करता है। इसके अलावा गाजर में उच्च मात्रा में फाइबर, पोटेशियम और विटामिनए होता है, जो त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद है। गाजर मुरब्बा का सेवन करने से आपको न केवल स्वाद मिलता है, बल्कि ये आपकी रोग प्रतिकारक क्षमता को भी बढ़ाता है। इस मुरब्बे का सेवन विशेष रूप से सर्दियों में किया जाता है, क्योंकि ये शरीर को गर्मी और ऊर्जा प्रदान करता है।

टमाटर का मुरब्बा

टमाटर का मुरब्बा स्वाद में एकदम अलग और दिलचस्प होता है। यह न केवल स्वाद में अनोखा होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है। टमाटर में लाइकोपिन, एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट, पाया जाता है, जो दिल की सेहत के लिए अच्छा है और शरीर से हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। इसके अलावा, टमाटर में विटामिन सी और पोटेशियम भी होता है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने और पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। टमाटर मुरब्बा पाचन तंत्र को सुधारने के लिए एक बेहतरीन उपाय है और इसे हलके स्वाद के कारण आसानी से खाया जा सकता है।

हंसना मना है

प्रेमी और प्रेमिका छत पर बैठे थे। चांदनी छिटकी हुई थी, अचानक प्रेमिका बोली-मेरी इच्छा है कि मैं अगले जन्म में चांद बनूं। प्रेमी- हां! प्रिय मेरी इच्छा है कि मैं चांद पर उतरने वाला पहला अन्तरिक्ष यात्री बनूं।

प्रेमी-प्रेमिका ने जब एक दूसरे को विवाह का वचन दे दिया। प्रेमिका- परन्तु प्रिय, एक बात मैं पहले साफ कर दूं -मुझे खाना पकाना नहीं आता। प्रेमी - कोई बात नहीं मैं भी पहले ही साफ किये देता हूं, मैं कवि हूं, मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

लड़की- मुझे ऐसे क्यूं देख रहे हो, घर में मां-बहन नहीं हैं क्या? लड़का- हैं इसलिए तो देख रहा हूं। लड़की- क्या मतलब? लड़की- दरअसल मेरी छोटी बहन को भाभी चाहिए।

बीवी- सुनिए जी, रात नींद में आप मुझे गालियां दे रहे थे, संता- ओ नहीं सोणिये, ये तुम्हारा वहम है, बीवी- क्या वहम है? संता- यही कि मैं नींद में था।

मुह दिखाई पर पति ने पत्नी को गुलाब का फूल भेंट दिया। पत्नी- कुछ सोने की चीज दो! पति- ले तकिया ले और सो जा!

कहानी | दो मछलियां और एक मेंढक

एक तालाब में दो मछलियां और एक मेंढक रहा करते थे। एक मछली का नाम शतबुद्धि और दूसरी का सहस्त्रबुद्धि था। वहीं, मेंढक का नाम एकबुद्धि था। मछलियों को अपनी बुद्धि पर बड़ा घमंड था, लेकिन मेंढक अपनी बुद्धि पर कभी घमंड नहीं करता था। फिर भी तीनों आपस में बहुत अच्छे दोस्त थे। एक दिन नदी के किनारे से मछुआरे जा रहे थे। उन्होंने देखा कि तालाब मछलियों से भरा हुआ है। मछुआरों ने कहा, हम कल सुबह यहां आएंगे और बहुत सारी मछलियां पकड़कर ले जाएंगे। मेंढक ने मछुआरों की सारी बातें सुन ली थी। उसने शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि को सारी बात बताई। मेंढक ने कहा, उन्हें अपनी जान बचाने के लिए कुछ करना चाहिए। दोनों मछलियां कहने लगीं, हम मछुआरों के डर से अपने पूर्वजों की जगह छोड़कर नहीं जा सकते हैं। हमें डरने की जरूरत नहीं है, हमारे पास इतनी बुद्धि है कि हम अपना बचाव कर सकती हैं। वहीं मेंढक ने कहा, मुझे पास में मौजूद एक तालाब के बारे में पता है, जो इसी तालाब से जुड़ा है। उसने अन्य जीवों को भी साथ चलने को कहा, लेकिन कोई भी मेंढक के साथ जाने को तैयार नहीं था, क्योंकि सभी को शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि पर भरोसा था कि वो सबकी जान बचा लेंगी। मेंढक ने कहा, तुम सब मेरे साथ चलो। इस पर शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि ने कहा, उसे तालाब में छिपने की एक जगह पता है। मेंढक ने कहा, मछुआरों के पास बड़ा जाल है। तुम उनसे नहीं बच सकते हो, लेकिन मछलियों को अपनी बुद्धि पर बहुत गुमान था। मेंढक उसी रात अपनी पत्नी के साथ दूसरे तालाब में चला गया। अब अगली सुबह मछुआरे अपना जाल लेकर वहां आ पहुंचे। उन्होंने तालाब में जाल डाला। तालाब के सभी जीव अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे, लेकिन मछुआरों के पास बड़ा जाल था, जिस कारण कोई भी बचकर नहीं जा सका। जाल में बहुत सारी मछलियां पकड़ी गईं। शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि ने भी बहुत बचने की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी मछुआरों ने पकड़ ही लिया। जब उन्हें तालाब से बाहर लाया गया, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि का आकार सबसे बड़ा था, इसलिए, मछुआरों ने उन्हें लग रखा था। उन्होंने बाकी मछलियों को एक टोकरी में डाला, जबकि शतबुद्धि और सहस्त्रबुद्धि को कंधे पर उठाकर चल दिए। जब वह दूसरे तालाब के सामने पहुंचे, तो मेंढक की नजर इन दोनों पर पड़ी। उसे अपने मित्रों की यह हालत देख बड़ा दुख हुआ। उसने अपनी पत्नी से कहा कि काश इन दोनों ने मेरी बात मान ली होती, तो आज ये जिंदा होती।

7 अंतर खोजें

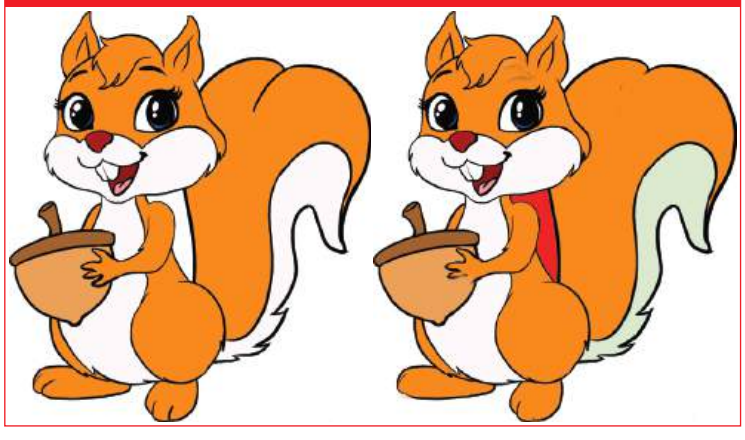

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है।

वृषभ

अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे।

मिथुन

रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

कर्क

वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा, नई योजनाएं बनेंगी।

सिंह

तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी।

कन्या

चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे।

तुला

घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। प्रेम-संबंधों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक

संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है।

मकर

शोक समाचार मिल सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें। मेहनत अधिक होगी। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। व्यावसायिक चिंता रहेगी।

कुम्भ

घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें।

मीन

पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी।

'तस्करी' की सफलता पर इमरान हाशमी ने दर्शकों का जताया आभार

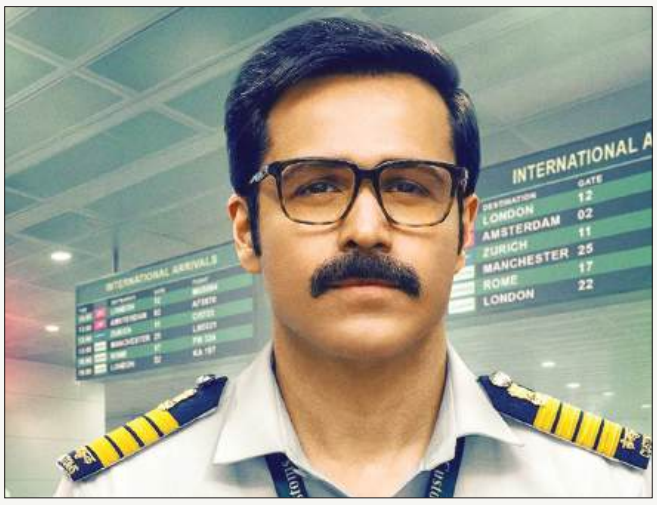

इमरान हाशमी की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'तस्करी: द स्मगलर्स वेब' को काफी पसंद किया जा रहा है। यही नहीं तस्करी: द स्मगलर्स वेब रिलीज के पहले ही सप्ताह में नेटफ्लिक्स की ग्लोबल टॉप 10 नॉन-इंग्लिश टीवी लिस्ट में नंबर 1 पर पहुंच गई है। पहले नंबर पर पहुंचने वाली 'तस्करी: स्मगलर्स वेब' पहली भारतीय सीरीज भी बन गई है। अब शो की इस सफलता और उपलब्धि पर इमरान हाशमी ने खुशी जताई है।

तस्करी: द स्मगलर्स वेब की सफलता के बाद इमरान हाशमी ने प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए इमरान ने कहा, 'आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। तस्करी नेटफ्लिक्स की वैश्विक गैर-अंग्रेजी टॉप 10 सूची में नंबर एक स्थान पर पहुंचने वाली पहली भारतीय सीरीज बन गई है। ये आप लोगों के प्यार की वजह से हुआ है। मैं आप सभी के कमेंट्स और मैसेज पढ़ रहा हूं। आपके समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद। इससे यह साबित होता है कि ईमानदारी पर आधारित कहानियां बहुत दूर तक पहुंचती हैं। हम सभी बहुत आभारी हैं।' अपने कैप्शन में भी इमरान ने लोगों का आभार जताया है। इमरान के अलावा सीरीज के निर्माता-निर्देशक नीरज पांडे ने भी इस उपलब्धि पर खुशी जताई है। नीरज ने कहा कि तस्करी का यहां तक पहुंचना न केवल शो के लिए बल्कि भारतीय कहानी कहने की कला के लिए भी एक महत्वपूर्ण पल है। यह दिखाता है कि हमारी सच्चाइयों में मौजूद और कम खोजे गए स्थानों पर आधारित अनूठी कहानियां, स्पष्टता और उद्देश्य के साथ बताए जाने पर भारत से बहुत दूर तक प्रभाव डाल सकती हैं। नीरज पांडे द्वारा निर्मित और राघव जयराथ द्वारा सह-निर्देशित तस्करी: द स्मगलर्स वेब में इमरान हाशमी, जोया अफरोज, अमृता खानविलकर, शरद केलकर, नंदीश सिंह संधू और अनुराग सिन्हा मुख्य भूमिका में हैं। शो एयरपोर्ट कस्टम्स की जोखिम भरी दुनिया को दिखाता है। सीरीज में इमरान हाशमी ने कस्टम ऑफिसर की भूमिका निभाई है।

गणतंत्र दिवस की परेड का हिस्सा बनेंगे संजय लीला भंसाली!

खबर है कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस साल गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सिनेमा से जुड़ी एक खास झांकी पेश करने का प्लान बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस काम के लिए जाने-माने फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली को चुना गया है। भारतीय सिनेमा से जुड़ी झांकी 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर दिखाई जाएगी। अगर ऐसा होता है तो यह सच में भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक पल बन जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अगर संजय लीला भंसाली गणतंत्र दिवस के आयोजन का हिस्सा बनते हैं तो ऐसा करने वाले पहले भारतीय फिल्म डायरेक्टर होंगे। यह भारतीय सिनेमा के लिए भी गर्व की बात होगी। वैसे अभी तक संजय लीला भंसाली या उनकी टीम की तरफ से इस खबर की पुष्टि नहीं की है। बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर में संजय लीला भंसाली का नाम आता है। वह बड़े पर्दे पर जादू सा चलाते हैं। अब तक 'हम दिल दे चुके सनम', 'देवदास', 'ब्लैक', 'बाजीराव मस्तानी', 'पद्मावत' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसे उम्दा और हिट फिल्में बना चुके हैं।

संजय लीला भंसाली आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ एक फिल्म 'लव एंड वॉर' बना रहे हैं। इसके अलावा जल्द ही रिलीज होने वाली एक फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को को-प्रोड्यूसर भी संजय लीला भंसाली ने किया है। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को थिएटर में रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से सबकुछ मिला : हिना खान

हिना खान ने टीवी के पॉपुलर शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी इसके बाद वह कसौटी और फिर नागिन में भी नजर आई थीं। अब एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि उन्होंने जितने भी शो किए हैं, उनमें से सबसे ज्यादा कमाई उन्होंने राज शाही के शो से ही मिली थी। हिना खान, एल्विश यादव के पॉडकास्ट में नजर आई थी, इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि राजन शाही और एकता कपूर दोनों में से किसके साथ काम करना उनके लिए मोटी रकम मिली थी। गौरतलब है कि राजन शाही के शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से उन्हें बड़ी पहचान मिली थी। वहीं एकता कपूर के साथ 'नागिन' और 'कसौटी जिंदगी की' जैसे शो में भी उन्होंने अपने काम से लोगों का दिल जीता था। हिना खान ने इस सवाल का बड़ी ही बेबाकी से जवाब दिया, उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के जवाब दिया कि 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' उनके करियर का सबसे बड़ा शो रहा है, हर लिहाज से, इस शो से उन्हें खूब पैसा भी मिला है। अपनी बात आगे रखते हुए उन्होंने कहा, कि करीब 8 साल तक वह इस शो में काम करती रही हैं। मेरे पास आज जो कुछ भी है, जितनी भी संपति है, वो मुझे इस शो के जरिए ही मिली है। इसके बाद भी मैंने कई शोज में काम किया, लेकिन इस शो से जो सफलता और कमाई मिली वैसा कहीं नहीं रहा।' हिना की ईमानदार से रखी गई इस बात ने फैंस का दिल जीत लिया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। क्योंकि टीवी पर लंबे समय तक लगातार काम करना आपको किसी तरह की पैसे की दिक्कत से दूर रखता है। फिर हिना अपने फैंस के साथ अपना हर अपडेट शेयर करती हैं। फैंस उनके साथ उनके हर मुश्किल दौर में खड़े रहे हैं। फैंस का दिल जीतना हिना खूब जानती हैं। बता दें कि हिना खान ने राजन शाही के शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा सिंघानिया का किरदार निभाकर घर-घर अपनी पहचान बनाई थी। इसके बाद वह फियर फैक्टर, खतरों के खिलाड़ी और बिग बॉस 11 में भी नजर आई थीं। इसके अलावा कसौटी जिंदगी की', नागिन और फिल्मों और वेब सीरीज में भी वह काम कर चुकी हैं।

कुछ इस तरह होती है बाघों की जनगणना इंसानों से बिलकुल अलग है प्रॉसेस

आपने इंसानों की जनगणना देखी होगी, जहां घर-घर जाकर फॉर्म भरवाए जाते हैं, परिवार की डिटेल ली जाती है। लेकिन जंगली जानवरों, खासकर बाघों की जनगणना पूरी तरह अलग और चुनौतीपूर्ण है। बाघ इंसानों की तरह नहीं बोलते, ना ही घर पर मिलते हैं। इसलिए प्रकृति के बीच जाकर वैज्ञानिक तरीके से उनकी गिनती की जाती है। भारत में यह काम हर चार साल में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी और वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के नेतृत्व में होता है। इसे ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन कहा जाता है। यह दुनिया की सबसे बड़ी वाइल्डलाइफ सर्वे है, जिसमें हजारों लोग शामिल होते हैं। **ये है एडवांस प्रॉसेस:** पुराने समय में (1970-2000 तक) पगमार्क मेथड इस्तेमाल होता था। इसमें जंगल में बाघ के पंजों के निशान देखकर गिनती की जाती थी। लेकिन यह तरीका गलत साबित हुआ क्योंकि एक ही बाघ के निशान कई बार गिने जा सकते थे। सरिस्का जैसे मामलों में पगमार्क से 24 बाघ बताए गए लेकिन असल में बाघ खत्म हो चुके थे। 2005 के बाद इसे बंद कर दिया गया। अब आधुनिक तकनीक कैमरा ट्रैप्स पर आधारित है। **प्रक्रिया तीन फेज में होती है: फेज-1** में फील्ड डेटा कलेक्शन होता है। फॉरेस्ट गार्ड्स, रेंजर्स और ट्रेंड टीम जंगल में पैदल सर्वे करती है। वे 6 लाख किलोमीटर से ज्यादा पैदल चलते हैं। पगमार्क, स्कैट (मल), स्क्रैच मार्क्स (पेड़ों पर नाखून के निशान), प्रेय किल्स (शिकार के अवशेष), रोर (दहाड़) और विजुअल साइटिंग्स रिकॉर्ड करते हैं। M-STrIPES मोबाइल ऐप से रीयल-टाइम डेटा अपलोड होता है जिसमें लोकेशन, फोटो, पैरामीटर्स सब कुछ शामिल होता है। **फेज-2** में लैंडस्केप लेवल डेटा बनता है। रिमोट सेंसिंग, सैटेलाइट इमेज और सेकंडरी डेटा से टाइगर हैबिटेट मैप किया जाता है। टाइगर लैंडस्केप्स को 5 भागों में बांटा गया है- शिवालिक-गंगा प्लेन, सेंट्रल इंडिया-ईस्टर्न घाट्स, वेस्टर्न घाट्स, नॉर्थ ईस्टर्न हिल्स-ब्रह्मपुत्र और सुंदरबन ।

अजब-गजब | पूरी दुनिया घुमाने वाला जहाज!

इस जहाज में 130 दिन का रोमांचक सफर, एक टिकट की कीमत में खरीद लेंगे छोटा-सा घर

अगर आप सपनों में भी पूरी दुनिया घूमने की कल्पना करते हैं तो एक ऐसा तरीका है जो आपको समंदर के रास्ते 130 दिनों में कई महाद्वीपों और दर्जनों देशों की सैर करवा देता है। वर्ल्ड क्रूज या अराउंड द वर्ल्ड क्रूज नाम से मशहूर ये सफर क्रूज शिप पर होता है, जहां आपका घर ही चलता फिरता है। अनपैकिंग सिर्फ एक बार करनी पड़ती है और हर दिन नई जगह, नया नजारा और नई संस्कृति देखने को मिलती है। कई क्रूज कंपनियां जैसे MSC Cruises, Princess Cruises, Holland America, Oceania ¥õÚU Silversea ऐसे लंबे वर्ल्ड क्रूज ऑफर करती हैं, जो आमतौर पर 120 से 140 दिनों के बीच होते हैं।

130 दिनों के वर्ल्ड क्रूज में आप 30 से 50 पोर्ट्स पर रुकते हैं, 25-35 देशों की सैर करते हैं और 6 महाद्वीपों को पार करते हैं। इसमें पनामा कैनाल का क्रॉसिंग, फ्रेंच पोलिनेशिया की खूबसूरत द्वीप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, एशिया के कई देश जैसे इंडोनेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, भारत, श्रीलंका, अफ्रीका के केप टाउन, यूरोप के कई शहर और अमेरिका के कई पोर्ट शामिल होते हैं। कई क्रूज में 7-10 ओवरनाइट स्टे भी होते हैं, जहां आप रात भर शहर एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह सफर सिर्फ यात्रा नहीं, बल्कि एक फ्लोटिंग लग्जरी होटल का अनुभव है। क्रूज शिप पर कई रेस्टोरेंट, स्विमिंग पूल, स्पा, जिम, थिएटर, लाइव शो, कैसीनो, लाइब्रेरी और यहां तक कि क्लासेस भी चलती हैं। खाना, ड्रिंक्स (कुछ पैकेज में), इंटरनेट, लॉन्ड्री और ग्रेच्युटी सब शामिल होते हैं। दिन भर समंदर पर रिलैक्स करते हुए किताबें पढ़ना, सूर्यास्त देखना या नए दोस्त बनाना ङ्क यह सब शामिल है।

कई लोग इसे रिटायरमेंट का बेस्ट तरीका मानते हैं, जहां वे घरेलू कामों से दूर रहकर दुनिया देखते हैं। एक व्यक्ति के लिए बेसिक कैबिन (इंसाइड या ओशनव्यू) की कीमत 15,000 से 25,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 12-20 लाख रुपये) से शुरू होती है। लग्जरी या बालकनी/सूट में यह 60,000 से 1 लाख डॉलर (50 लाख से 80 लाख रुपये) तक जा सकती है। कुछ अल्ट्रा-लग्जरी क्रूज में यह 8 लाख डॉलर तक पहुंच जाती है। अब सोचिए, भारत में कई शहरों में एक छोटा-सा 1BHK फ्लैट या घर इतने में मिल जाता है। लेकिन यहां आपको 130 दिनों तक लग्जरी लाइफस्टाइल, खाना-पीना, ट्रैवल और अनगिनत यादें मिलती हैं। हर दिन के हिसाब से कीमत देखें तो यह 100-200 डॉलर प्रति दिन पड़ती है, जो एक अच्छे होटल से सस्ती है क्योंकि इसमें सब कुछ शामिल है।

महाराष्ट्र में मेयर चुनाव को लेकर बरकार है तनाव

शिवसेना यूबीटी ने उप मुख्यमंत्री शिंदे व मुख्यमंत्री फडणवीस को घेरा

» बिना दिल्ली के आदेश के नहीं बना सकते मेयर : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना यूबीटी संजय राउत ने एकबार फिर महायुति सरकार पर हमला बोला है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर दोतरफा हमला करते हुए मुंबई मेयर पद के लिए उन्हें दिल्ली पर निर्भर बताया और मुख्यमंत्री फडणवीस की दावोस यात्रा को पिकनिक करार दिया। उन्होंने गठबंधन में शिंदे के घटते महत्व और विदेश यात्राओं पर हो रहे सरकारी खर्च को लेकर सरकार की आलोचना की। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत न महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तीखा हमला बोला। यह हमला मुंबई महापौर पद को लेकर सत्तारूढ़ महायुति के भीतर चल रही खींचतान की खबरों के बीच हुआ।

राउत ने कहा कि अगर शिंदे बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के शीर्ष पद पर किसी शिवसेना नेता को बिठाना चाहते हैं, तो उन्हें पहले वरिष्ठ भाजपा नेताओं को मनाना होगा। बीएमसी चुनावों में भाजपा-शिवसेना युति की स्पष्ट जीत के बावजूद, महापौर पद पर अभी तक अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। 227 सदस्यीय नगर निकाय में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना भारत के सबसे समृद्ध नगर निगम पर अपना लंबे समय से चला आ रहा नियंत्रण बरकरार रखना चाहती है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने मुख्यमंत्री की दावोस यात्रा की आवश्यकता पर भी सवाल उठाया और आरोप लगाया कि भारतीय कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं, जो उनके अनुसार मुंबई में ही किए जा सकते थे। राउत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि देश भर के मुख्यमंत्री दावोस में पिकनिक मना रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से राजनीतिक नेताओं की विदेश यात्राओं पर हुए खर्च को सार्वजनिक करने की मांग की। दावोस शिखर सम्मेलन को भारतीय दृष्टिकोण से हास्यास्पद बताते हुए राउत ने कहा कि करदाताओं का पैसा विदेश यात्राओं पर खर्च किया जा रहा है, जबकि इसी तरह के कार्यक्रम देश के भीतर भी आयोजित किए जा सकते हैं। कल्याण-डोम्बिवली नगर निगम के दो शिवसेना (यूबीटी) पार्षदों के बारे में पूछे जाने पर, जिनके कथित तौर पर संपर्क से बाहर होने की खबर है, राउत ने कहा कि पार्टी ने उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

गुजराती नेताओं के चरणों में बैठते हैं शिंदे

राउत ने गठबंधन में शिंदे की राजनीतिक स्थिति पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मेयर पद के लिए शिंदे की कोई परवाह नहीं करता। इससे ज्यादा अपमानजनक और क्या हो सकता है कि जो लोग खुद को शिवसेना कहते हैं, बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर लगाते हैं, और फिर मुंबई के मेयर पद के लिए दिल्ली जाकर गुजराती नेताओं के चरणों में बैठते हैं। राउत ने आगे कहा कि मेयर की घोषणा में देरी का एक कारण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अनुपस्थिति भी है, क्योंकि वे इस समय विश्व आर्थिक मंच में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड के दावोस में हैं।

मताधिकार को सुरक्षित रखना आयोग का काम : पायलट

» कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोंक। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा कि यह निर्वाचन आयोग का दायित्व है देश के प्रत्येक नागरिक के मताधिकार को सुरक्षित रखें। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी नागरिक अपने मताधिकार से वंचित ना रहे। आज देश में कई जगहों से ऐसी खबरें आ रही हैं कि राजनीतिक हित साधने के उद्देश्य से मतदाता सूचियों से सैकड़ों लोगों के नाम काटने या जोड़ने के लिए बी.एल.ओ. पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है।

ऐसे अनुचित दबाव के चलते कई स्थानों पर तो बी.एल.ओ. आत्महत्या जैसा कदम उठाने को भी मजबूर हो गए हैं। वोट देने का अधिकार हमारी सबसे बड़ी पूंजी है और यदि कोई इसे छीनना चाहेगा तो उसे कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। आज टोंक में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण में सतर्कता के लिए लगाए गए कांग्रेस पार्टी के बीएलए की मीटिंग को संबोधित करते हुए पायलट ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा प्रमाण सहित उजागर की गई मतदाता सूचियों की गड़बड़ियों और बिहार चुनाव में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली से साफ हो गया है कि निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता संदेह के घेरे में है। ऐसे में अपने मताधिकार की रक्षा के लिए हमें जागरूक रहना होगा। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस को हमारे राम नाम लेने पर आपत्ति है, इस प्रश्न के जवाब में पायलट ने कहा कि सभी लोग जानते हैं कि मैं सबसे ज्यादा राम नाम लेता हूं, तो हमें फिर किस बात की परेशानी।

भारत ने 48 रन से जीता पहला टी-20 मुकाबला

» न्यूजीलैंड 238 रन के जवाब में 190 रन ही बना सकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। भारत ने 48 रन से न्यूजीलैंड को पहले टी20 मुकाबले में हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अभिषेक शर्मा (84) और रिंकू सिंह (44*) की तूफानी पारियों की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 238 रन बनाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत का इस टीम के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले भारतीय टीम ने 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 234/4 का स्कोर बनाया था।

जवाब में न्यूजीलैंड की टीम सात विकेट पर 190 रन ही बना पाई। उनके लिए ग्लेन फिलिप्स ने 78 रनों की पारी खेली। वहीं, भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिए जबकि अर्शदीप सिंह, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल ने एक-एक सफलता अपने नाम की। 239 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गवांए। अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या ने शुरुआती झटके देकर कीवी बल्लेबाजी को बैकफुट पर धकेल दिया। इससे पहले ईशान किशन (8) और संजू सैमसन (10) एक बार फिर अपनी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके और पावरप्ले के भीतर पवेलियन लौट गए। लेकिन तीसरे विकेट के लिए अभिषेक और कप्तान के बीच 47 गेंदों में 99 रनों की साझेदारी हुई। अंत के ओवरों में रिंकू सिंह ने 20 गेंदों पर नाबाद 44 रन बनाए और स्कोर को 230 के पार पहुंचाया। आखिरी ओवर में रिंकू ने 21 रन बटोरे।

पावरप्ले में अभिषेक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बने बल्लेबाज

टीम इंडिया की जीत के हीरो रहे अभिषेक शर्मा, जिन्होंने 35 गेंद में 84 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और आठ छक्के लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 240.00 का रहा। अभिषेक ने टी20 इंटरनेशनल में ऐसा प्रदर्शन किया है कि अब पावरप्ले में उनसे बड़ा हिटर शायद कोई नहीं दिखता। न्यूजीलैंड के खिलाफ सिर्फ 22 गेंदों में अर्धशतक जमाकर नया इतिहास बना दिया। यह भारत की ओर से न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 में सबसे तेज फिफ्टी है। इससे पहले 2020 में केएल राहुल और रोहित शर्मा ने 23-23 गेंदों में पचासा लगाया था। अभिषेक शर्मा ने छह जुलाई 2024 को अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला था और तब से अब तक वह पावरप्ले (पहले 6 ओवर) में वह सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं। अभिषेक ने छह जुलाई 2024 के बाद से अब तक टी20 अंतरराष्ट्रीय में पावरप्ले यानी शुरुआती छह ओवरों में सबसे ज्यादा 49 छक्के लगाए हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान हैं। उनके नाम 28 छक्के हैं। अभिषेक ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 25 या उससे कम गेंदों में सबसे ज्यादा बार फिफ्टी लगाने के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकल गए हैं। अभिषेक ने आठ बार 25 या इससे कम गेंदों में अर्धशतक जड़ा है। वहीं, इसके बाद फिल सॉल्ट, सूर्यकुमार यादव और एविन लुईस का नंबर आता है। इन तीनों ने सात-सात बार ऐसा किया है।

मंत्री ने किया पत्रिका का विमोचन

» रालोद ने किया तहरी भोज का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल प्रदेश कार्यालय में पार्टी महिला शक्ति संगठन की राष्ट्रीय महासचिव शालिनी सिंह द्वारा तहरी भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कैबिनेट मंत्री ने कार्यक्रम की आयोजक की उनके प्रयासों एवं सक्रियता के लिए सराहना करते हुए महिला सशक्तिकरण हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में चर्चा की एवं

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से यह जानकारी भी ली कि सरकार की योजनाओं का लाभ उन्हें किस हद तक प्राप्त हो रहा है। इसके साथ ही साथ मंत्री अनिल कुमार ने मासिक पत्रिका मनस्वी टाइम्स का विमोचन भी किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने भी पार्टी में ऊर्जा का संचार करने के लिए शालिनी सिंह की सराहना की।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव से पहले बिछी बिसात

» पुलिस सुरक्षा में आप पार्षद पहुंचे पंजाब, भाजपा ने तावड़े को बनाया ऑब्जर्बर

» कांग्रेस ने आप का दिया साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। चंडीगढ़ मेयर चुनाव 29 जनवरी को होना है। आम आदमी पार्टी (आप) व कांग्रेस गठबंधन और भाजपा दोनों के पास वोटों की बराबर संख्या है। जीतने के लिए 19 पार्षदों का मत चाहिए। इस बार चुनाव गुप्त मतदान के जरिये नहीं होना है। ऐसे में अपने अपने पार्षदों को बचाने में पार्टियां लगी हैं। आप पार्षदों ने बुधवार देर शाम पंजाब का रुख कर लिया। ऐसा इसलिए किया कि कहीं एक दो और पार्षद टूट न जाएं। दोनों ओर से बराबर की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार आप के पार्षदों को शाम चार बजे कहा गया कि वे सभी पांच बजे तक सेक्टर-39 के आम आदमी पार्टी कार्यालय पहुंचें।

पार्षदों का पहुंचना शुरू हो गया और उन्हें अलग अलग वाहनों से पंजाब के रोपड़ के किक्कर ताल ले जाया गया है। सभी पार्षद पुलिस सुरक्षा में गए हैं। सवा सात बजे तक पार्षद सेक्टर-39 से पंजाब के लिए निकल गए थे। जानकारी मिली है कि भाजपा ने मेयर चुनाव में विनोद तावड़े को ऑब्जर्बर बनाया है। उनके ऑब्जर्बर बनने से आप को अधिक डर सताने लगा। इसलिए मेयर चुनाव के नामांकन के एक दिन पहले चंडीगढ़ से बाहर जाने का निर्णय लिया। गठबंधन के तहत मेयर पद के लिए आम आदमी पार्टी अपना उम्मीदवार उतारेगी जबकि सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के पदों पर कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।

सांसद आप और कांग्रेस गठबंधन के हैं साथ

आम आदमी पार्टी के दो पार्षदों के टूट कर भाजपा में जाने के बाद आप और कांग्रेस का गठबंधन में बराबर को गेम हो गया। नगर निगम में कुल 35 पार्षद हैं। एक मत सांसद का भी होता है। सांसद आप और कांग्रेस गठबंधन के साथ हैं। ऐसे में दोनों पक्ष 18-18 मत के साथ बराबर है। इनमें से एक को अपने पासे में लाना होगा या फिर टॉस होगा। नामांकन के लिए वीरवार को दोबारा चंडीगढ़ आएंगे। नामांकन के बाद फिर पंजाब चले जाएंगे। सभी पार्षद मतदान के दिन चंडीगढ़ पहुंचेंगे। ताकि किसी भी प्रकार का तोड़ फोड़ न किया जा सके। चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर चुनाव में एक बार फिर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने गठबंधन का फैसला किया है। दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच सहमति बनने के बाद यह साफ हो गया है कि इस बार भी विपक्ष साझा रणनीति के साथ मैदान में उतरेगा।

शहरी सड़न' को 'न्यू नॉर्मल' माना जा रहा है : राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा सरकारों को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे की स्थिति को लेकर भाजपा सरकार पर प्रहार किया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा देश में लालच की महामारी फैल चुकी है और समाज मर रहा है क्योंकि ''शहरी सड़न'' को न्यू नॉर्मल (अब सामान्य बात) मान लिया गया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पत्रकार का वीडियो का साझा किया जिसमें दिल्ली के किराड़ी इलाके में में कई घरों के सामने पानी और कचरा जमा होने का उल्लेख किया गया है।

उन्होंने कहा, 'देश में लालच की महामारी फैल चुकी है, शहरी सड़न जिसका सबसे डरावना चेहरा है। हमारा समाज इसलिए मर रहा है क्योंकि हमने इस सड़न को न्यू नॉर्मल मान लिया है, सुन्न, निशब्द, बेपरवाह।' राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि जवाबदेही की मांग करो, वरना यह सड़न हर दरवाज़े तक पहुंचेगी।

सिस्टम सत्ता के सामने बिका

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''हर आम भारतीय की जिंदगी आज ऐसी ही नर्क की यातना बन गई है। सिस्टम सत्ता के सामने बिक चुका है। सब एक-दूसरे की पीठ थपथपाते हैं और मिलकर जनता को रौंदते हैं।'

राहुल गांधी के सामने छलका दर्द- नेता करते हैं मनमानी

हिसार के जिलाध्यक्ष ब्रिजलाल बहबलपुरिया सहित कई अन्य जिलाध्यक्षों ने कहा कि नेता इस तरह मनमानी करते हैं कि कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह में शामिल तक नहीं होते जिससे कार्यकर्ताओं में गलत संदेश जा रहा है। जब नेता ही ऐसा करेंगे तो पार्टी संगठन कैसे मजबूत हो सकता है और अनुशासन भी संभव नहीं। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि अब ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। कार्यकर्ता से लेकर पार्टी नेता को अनुशासन में रहते हुए संगठन को मजबूती देनी होगी। राहुल गांधी ने कहा कि हर जिलाध्यक्ष को मजबूती से काम करना होगा और यह काम धरातल से ही शुरू करें।

जिलाध्यक्षों को सिखाए ताइक्वांडो के गुर

राहुल गांधी पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ हरियाणा व उत्तराखंड के जिलाध्यक्षों को ताइक्वांडो के भी गुर दे गए। जहां करीब ढाई घंटे तक उन्होंने एक-एक कर सियासी कदमों, पार्टी की नीतियों, लक्ष्यों से लेकर वर्तमान मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की, वहीं करीब एक घंटे तक जिलाध्यक्षों को ताइक्वांडो के भी दांव पेंच सिखाए। राहुल गांधी से इतनी करीब से मुलाकात कर हरियाणा व पंजाब के जिलाध्यक्ष गदगद हो उठे। पिछले नौ दिनों से बंद हॉल में खास कक्षा लगा रहे जिलाध्यक्ष राहुल गांधी से मिलकर उत्साह से लबरेज दिखाई दिए। कई जिलाध्यक्षों की राहुल गांधी से सीधी मुलाकात की मुराद पूरी हुई और कई उनसे संवाद कर खिल उठे।

छत्तीसगढ़ में क्लिनिकल फर्नेस के दौरान ब्लास्ट छह मजदूरों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलौदाबाजार, भाटापारा। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार भाटापारा जिले के बलौदाबाजार में इस्पात संयंत्र में गुरुवार को बड़ा हादसा हुआ। क्लिनिकल फर्नेस के दौरान ब्लास्ट होने में छह मजदूरों की मौत हो गई है। वहीं पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को पहले भाटापारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भेजा गया। फिर प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर कर दिया गया।

हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। अफरा-तफरी मच गई। यह घटना भाटापारा ग्रामीण थाने क्षेत्र के ग्राम बकुलाही स्थित प्लांट की है। पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में लगी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। हादसे की सूचना पर बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी समेत पुलिस बल के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। कलेक्टर सोनी और एसपी भावना गुप्ता ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि हादसे में छह लोगों की मौत हुई है और पांच घायल हुए हैं।

दोनों पक्षों को सुप्रीम निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बसंत पंचमी के दिन धार में विवादित भोजशाला में सूर्योदय से सूर्यास्त तक हिंदुओं को प्रार्थना करने की अनुमति दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को भी शुक्र वार के दिन दोपहर 1 बजे से लेकर 3 बजे तक नमाज पढ़ने की इजाजत दी है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम दोनों पक्षों से अपील करते हैं कि वे आपसी सम्मान और सहयोग बरकरार रखें।

» प्रार्थना व नमाज दोनों होगी, धार भोजशाला मामले में हुई सुनवाई

जिला प्रशासन को पास जारी करने की सलाह

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने कहा कि कल दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए आने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की संख्या जिला प्रशासन को बता दी जाए, पीठ ने कहा कि ये संख्या जिला प्रशासन को आज ही बता दी जाए। प्रशासन कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भोजशाला आने वालों के लिए पास जारी कर सकता है या कोई और सही तरीका अपना सकता है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य और जिला प्रशासन को कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी। हिंदू पक्ष ने 20 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें मांग की गई है कि बसंत पंचमी के पूरे दिन धार भोजशाला में अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति दी जाए। बसंत पंचमी इस साल शुक्रवार के दिन पड़ रही है और शुक्रवार को मुस्लिम समाज के लोग धार भोजशाला में जुमे की नमाज पढ़ते हैं। यही वजह है कि ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ सुनवाई की। हिंदू फॉर जस्टिस की तरफ से वरिष्ठ वकील विष्णु शंकर जैन और हरिशंकर जैन दलील पेश की। साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने बाबा कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी की ओर से पक्ष रखा।

तलाक के लिए पति को गोतस्करी में फंसाया

» थार गाड़ी से 20 किलो मांस मिलने के मामले में पुलिस का खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सितंबर 2025 में मल्टीलेवल पार्किंग में थार गाड़ी से 20 किलो मांस मिलने के मामले में लखनऊ पुलिस ने सनसनीखेज पर्दाफाश किया है। जिसे पहले गोतस्करी का मामला समझा जा रहा था, वह दरअसल एक सोची-समझी घरेलू साजिश निकली।

पुलिस जांच के मुताबिक, मोहम्मद वासिफ की पत्नी अपने पति से तलाक चाहती थी। पति को कानूनी पचड़े में फंसाकर रास्ते से हटाने के लिए उसने यह खौफनाक रास्ता चुना। प्रेमी का साथ: महिला ने भोपाल स्थित अपने प्रेमी अमान के साथ मिलकर ऑनलाइन बीफ मंगवाया और उसे चुपके से वासिफ की थार गाड़ी में रखवा दिया। साजिश को अंजाम देने के बाद खुद ही टिप देकर पुलिस और हिंदू संगठनों को जानकारी दी, ताकि वासिफ की गिरफ्तारी पक्की हो सके। लखनऊ पुलिस ने मोबाइल डेटा और कॉल रिकॉर्ड्स खंगाले तो पत्नी और उसके प्रेमी के बीच की सारी चैट और साजिश सामने आ गई। अब पुलिस इस मामले में निर्दोष वासिफ को राहत देते हुए साजिशकर्ता पत्नी और उसके सहयोगी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कर रही है।

कर्नाटक में भी राजभवन और सरकार में ठनी

» राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बीच में छोड़ा अभिभाषण सदन से किया वॉकआउट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के बाद अब कर्नाटक में राज्यपाल व सरकार में ठन गई है। गवर्नर थावरचंद गहलोत ने गुरुवार को राज्य सरकार के असेंबली में दिए जाने वाले पारंपरिक भाषण के कुछ हिस्सों को पढ़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने प्रस्तावित जीरामजी बिल को लागू करने से जुड़े हिस्सों पर आपत्ति जताई और सदन से बाहर चले गए। यह राजभवन और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के बीच एक नया राजनीतिक टकराव है।

यह घटना बजट सत्र की शुरुआत में हुई, जब गवर्नर को सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं को बताते हुए भाषण देना था। विवादास्पद कानून से जुड़े कुछ खास पैराग्राफ पर आपत्ति जताई, और कहा कि यह भाषण सरकारी प्रोपेगेंडा जैसा है। गवर्नर का यह कदम तमिलनाडु के गवर्नर आर एन रवि के राज्य असेंबली में भाषण दिए बिना बाहर चले जाने के एक दिन बाद आया है, जिन्होंने टेक्स्ट में गलतियों का हवाला दिया था। केरल में भी, गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने कथित तौर पर अपने भाषण के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया था, और राजभवन ने दावा किया कि उनके सुझाए गए बदलावों को ड्राफ्ट में शामिल नहीं किया गया था।

सवैधानिक परंपराओं का अपमान : कांग्रेस

कांग्रेस नेताओं ने इसे संवैधानिक परंपराओं का अपमान बताया है। उनका कहना है कि राज्यपाल को सरकार द्वारा तैयार किया गया अभिभाषण पढ़ने के लिए बाध्य होना चाहिए।

असंवैधानिक विधेयकों को राज्यपाल के जरिए वैध बनाने की कोशिश : भाजपा

भाजपा ने राज्यपाल के कदम का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार असंवैधानिक विधेयकों को राज्यपाल के जरिए वैध बनाने की कोशिश कर रही है।

आंध्र प्रदेश में बस और ट्रक की टक्कर से भड़की आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के नंदयाल जिले में भीषण सड़क हादसा देखने को मिला है। एक बस और कंटेनर लॉरी में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि बस में आग लग गई। इस घटना में 3 लोगों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

बस आंध्र प्रदेश के नेल्लोर से तेलंगाना के हैदराबाद जा रही थी। तभी अचानक बस का दाहिना टायर फट गया और बस असंतुलित हो गई। नियंत्रण खोने के बाद बस डिवाइडर से टकराई और फिर सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक से भिड़ गई। कंटेनर ट्रक में मोटरसाइकिलें लदी थी। भीषण टक्कर के बाद बस और ट्रक दोनों आग की चपेट में आ गए। आग लगने के बाद बस के कांच तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला गया। कई पैसेंजर्स ने खिड़की से नीचे छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। घटना की जानकारी मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। कुछ घंटों में उन्होंने आग पर काबू पा लिया। मगर, तब तक काफी देर हो चुकी थी। आग इतनी भयानक थी कि दोनों गाड़ियां पूरी तरह से जलकर राख हो गईं। घटना में बस और ट्रक के ड्राइवर समेत सफाईकर्मचारी की मौत हो गई। तीनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल में भेजा गया है।

ड्राइवर समेत 3 की मौत

चार लोगों की हालत गंभीर

हादसे के दौरान बस में 36 यात्री सवार थे। इनमें से 4 यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें नंदयाल जिले के सरकारी अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस घटनास्थल पर हादसे की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में हादसे की वजह टायर फटना ही बताया जा रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।